रजिस्ट्री सं० डी-.222

REGISTERED NO. D-841

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 3] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 21, 1967 (माघ 1, 1888)

No. 3] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 21, 1967 (MAGHA 1, 1888)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

नोटिस
NOTICE

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 7 जनवरी, 1967 तक प्रकाशित किये गये :—

The undermentioned *Gazettes of India Extraordinary* were published up to the 7th January, 1967 :—

अंक संख्या और तारीख Issue No. No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
1. No. 43(2)-Tar/66, dated 1-1-1967 सं० 43 (2)-टैरिफ/66, दिनांक 1 जनवरी, 1967	Min. of Commerce वाणिज्य मंत्रालय	Cancellation of notification No. 43(2)-Tar/66, dated 6-6-66. अधिसूचना सं० 43 (2)-टैरिफ/66, दिनांक 6 जून 1966 को रद्द करना
2. No. 1-ITC(PN)/66, dated 2-1-1967	Do.	Import of valves, miniature ceramic condensers, R.F. Transistors and ferrite antenna rods by actual users for manufature of radio receivers and transistor radio receivers—April 1966-March 1967.
3. No. 2-ITC(PN)/66, dated 3-1-1967	Do.	Grant of entitlement licences for machinery against exports effected or payments received up to 5th June/66 under the erstwhile E.P. Schemes.
4. No. 1-ETC(PN) 67, dated 5-6-67	Do.	Shipping bills for export of canalised items mentioned therein.
5. No. 5(21)/66-R.E., dated 7-1-1967	Min. of Labour Employment and Reh.	Constitution of Committee of "Review of Reh. Work in West Bengal".

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांगपत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी। मांगपत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तारीख से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिएं।

Copies of the *Gazettes Extraordinary* mentioned above will be supplied on Indent to the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these Gazettes.

विषय सूची (CONTENTS)

	पृष्ठ (Pages)
भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों तथा उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	79
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों तथा उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	43
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं ..	1
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	41
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों सम्बन्धी प्रवर समितियों की रिपोर्ट . ..	—

	पृष्ठ (Pages)
भाग II—खंड 3—उप-खंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	81
भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	97
भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	11
भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ-लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संलग्न तथा अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं ..	21
भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिसें ..	19
भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं ..	5
भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिसें शामिल हैं ..	19
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिसें ..	9
पूरक सं० 3—	
14 जनवरी 1967 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी संबंधी साप्ताहिक रिपोर्ट ..	75
24 दिसम्बर 1966 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म, तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु से संबंधित आकड़े ..	87

	Page
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations and Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	79
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court)	43
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions, issued by the Ministry of Defence	1
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	41
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	—
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—
PART II—SECTION 3.—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules, (including orders, bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ...	81
PART II—SECTION 3.—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	97
PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	11
PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India.	21
PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta ..	19
PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	5
PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	19
PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	9
SUPPLEMENT No. 3—	
Weekly Epidemiological Reports for week-ending 14th January 1967	75
Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week-ending 24th December 1966 ..	87

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विविधतर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1967

सं० 4-प्रेज/67—**शुद्धिपत्र**—दिनांक 1 जनवरी, 1966 के भारतीय राजपत्र के भाग 1, अनुभाग 1 में प्रकाशित इस सचिवालय की अधिसूचना सं० 134-प्रेज/65, दिनांक 16 अक्तूबर, 1965 में शुद्धि करने हेतु :—

क्रम संख्या 2 पृष्ठ 13 पर

बास्ते "4139235 लांस हवलदार उमराव सिंह"

पढ़ें "4139235 लांस हवलदार उमराव" जिस-जिम स्थान पर यह नाम आता है।

सं० 5 प्रेज/67—राष्ट्रपति राजस्थान पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री मोती सिंह,
कमाण्डैन्ट,
तीसरी बटालियन,
राजस्थान सशस्त्र आरक्षीदल,
राजस्थान।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

पाकिस्तान के साथ 1965 की लड़ाई में जब शत्रु भारतीय इलाके में घुस आये और मजबूती से जम गये तो श्री मोती सिंह ने भारतीय इलाके को शत्रुओं से मुक्त कराने में मुख्य रूप से भाग लिया। लड़ाई के दौरान श्री मोती सिंह जगह-जगह जाकर अपने जवानों को हौसला देते रहे और आदेश करते रहे। श्री मोती सिंह की बटालियन को सीमा के एक महत्वपूर्ण स्थान की सुरक्षा का काम सौंपा गया था। भूगोलिक कठिनाइयों का सामना करते हुए श्री मोती सिंह ने इस स्थान की उस समय रक्षा की जब की शत्रु हमारी चौकियों पर कब्जा करना चाह रहा था। बावजूद कठिनाइयों के श्री मोती सिंह ने शत्रु को आगे बढ़ने से रोक दिया। अन्त में श्री मोती सिंह ने अपने नेतृत्व से अपने से कहीं सबल शत्रु को भारतीय भूमि से पूर्णतः खदेड़ दिया।

इस प्रकार श्री मोती सिंह ने महान साहस, पहल-शक्ति और उच्चकोटि की कर्त्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है।

सं० 6-प्रेज/67—राष्ट्रपति राजस्थान पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री माधो सिंह,
असिस्टेन्ट कमाण्डैन्ट,
सातवीं बटालियन,
राजस्थान सशस्त्र आरक्षीदल,
राजस्थान।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

पाकिस्तान के साथ 1965 के संघर्ष में सीमा के एक क्षेत्र में शत्रु द्वारा लगातार भीषण बमबारी के सम्मुख श्री माधो सिंह ने राजस्थान सशस्त्र आरक्षीदल की संक्रियाओं का स्वयं मार्गदर्शन किया। 9 और 10 सितम्बर 1965 को जब गदरा क्षेत्र में शत्रु ने भारी बमबारी शुरू कर दी, तो श्री माधो सिंह लगातार अपनी चौकियों का निरीक्षण करते रहे और इस प्रकार अपने जवानों की हिम्मत बंधाई रखी। श्री माधो सिंह की कार्य कुशलता के कारण, शत्रु भारी बमबारी करने के बावजूद हमारी सेना के एक भी जवान को नहीं मार सके। इस आपतकाल में श्री माधो सिंह ने महान नेतृत्व, धीरज एवं उच्च कोटि की कर्त्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है।

सं० 7-प्रेज/67—राष्ट्रपति राजस्थान पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये पुलिस पदक प्रदान करते है :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री दीना नाथ,
प्लाटून कमाण्डर,
पहली बटालियन,
राजस्थान सशस्त्र आरक्षीदल,
राजस्थान।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

पाकिस्तान के साथ 1965 की लड़ाई के दौरान श्री दीना नाथ एक ऐसी प्लाटून के नायक थे जो कि एक कम्पनी के दाहिनी ओर थी और एक महत्वपूर्ण राह पर तैनात थी। जब शत्रु इस मोर्चे

पर भारी गोलाबारी कर रहा था तो श्री दीना नाथ अपनी जान की परवाह न कर खाइयों में जा जाकर अपने जवानों को उत्साहित करते रहे। जब प्लाटून को असला कम होने के कारण पीछे हटना पड़ा तो, शत्रु के भारी गोलाबारी करने के बावजूद, श्री दीना नाथ दूसरी प्लाटून में सम्मिलित हो कर लड़ने लगे और एक गोले के टुकड़े के लगने से घायल हो गये। इसी समय श्री दीना नाथ ने देखा कि शत्रु उनके मोर्चे की ओर बढ़ता आ रहा है। यह देख श्री दीना नाथ ने एक मशीनगन ले ली और शत्रु पर गोली चलानी शुरू की। इस कार्यवाही के दौरान शत्रु की एक गोली उनके पेट में आकर लगी। भारी आक्रमण के कारण हमारे जवानों को झुकना और पीछे हटना पड़ा। पीछे हटते समय श्री दीना नाथ को शत्रुओं ने घेर लिया परन्तु वह चालाकी से बच निकले। घुड़ सवार शत्रु के सैनिकों ने उनका पीछा किया परन्तु वे श्री दीना नाथ को पकड़ने में असफल रहे। इस प्रकार घावों से अधिक रक्त बहने और अत्यन्त घायल होने के बावजूद श्री दीना नाथ दो दिन और दो रात भूखे-प्यासे चलते रहे और तब जाकर कहीं खोज करने वाले एक दल ने उन्हें पाया।

इस प्रकार श्री दीना नाथ ने उच्चकोटि का नेतृत्व, सुदृढ़ता और कर्त्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 4 दिसम्बर, 1965 से दिया जायगा।

सं० 8-प्रेस/67—राष्ट्रपति राजस्थान पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री भंवर सिंह,

पुलिस कान्स्टेबल सं० 141,

चौथी बटालियन, राजस्थान सशस्त्र आरक्षीदल,

राजस्थान।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

पाकिस्तान के साथ 1965 की लड़ाई में कान्स्टेबल भंवर सिंह को राजस्थान-सिंध सीमा क्षेत्र पर सुरक्षा सेना की अगवाही के लिये भेजा गया, और जब-जब यह सुरक्षा सेना के साथ गया, तब-तब अपने साहस के कारण अधिक लाभदायक सिद्ध हुआ। जब सुरक्षा सेना को शत्रुओं ने घेर लिया तो कान्स्टेबल भंवर सिंह ने धैर्य और बहादुरी के साथ जगह-जगह जा कर घायलों की देखभाल की और जवानों को असला और पानी पहुंचाता रहा हालांकि उस समय शत्रु की ओर से भारी गोलाबारी हो रही थी। जब असला समाप्त होने को आया तो कान्स्टेबल भंवर सिंह ने अभूतपूर्व कार्य किया और शत्रुओं की आंख बचा कर वहां से निकल गया और मुख्य सेना से जा मिला। इस प्रकार वह अपने साथियों को शत्रुओं के चंगुल से छुड़ाने में सफल हुआ। कान्स्टेबल भंवर सिंह ने संकट की घड़ी में उच्चकोटि की वीरता, धैर्य और कर्त्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है और फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 31 अक्तूबर, 1965 से दिया जायेगा।

सं० 9 प्रेस/67—राष्ट्रपति राजस्थान पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री हुकम सिंह,

पुलिस कान्स्टेबल, सं० 353,

चौथी बटालियन, राजस्थान सशस्त्र आरक्षीदल,

राजस्थान।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

पाकिस्तान के साथ 1965 की लड़ाई में कान्स्टेबल हुकम सिंह को राजस्थान सिंध सीमा पर एक सैनिक दल के मार्ग-दर्शक का कार्य सौंपा गया। श्री हुकम सिंह ने अपने कार्य को कुशलता से किया और शत्रु द्वारा कब्जा किये गये क्षेत्र में अपनी सेना के गश्तीदस्तों के साथ वह कई बार निधड़क गये। श्री सिंह एक विशेष दस्ते के साथ भी गश्त पर गये जिसने कि अन्त में एक महत्वपूर्ण चौकी पर कब्जा कर लिया। इस कार्य के दौरान श्री सिंह अपने सैनिकों को एक लाभदायक स्थान पर ले गये जहां से उन्होंने शत्रु को पूर्णरूप से उलझाये रखा और हमारी एक अन्य महत्वपूर्ण चौकी की ओर आने वाले रास्ते को रोके रखा। शत्रु की भारी गोलाबारी के बीच, श्री सिंह एक स्थान से दूसरे स्थान की ओर जाते हुए और अपने जवानों को असला और पानी पहुंचाते हुए देखे गये। इसके बाद की कार्यवाही में श्री हुकम सिंह ने ऊंटों के एक दस्ते के साथ कार्य किया और जब इस दस्ते को शत्रुओं ने घेर लिया तो श्री हुकम सिंह अकेले इस घेरे से बाहर निकल आये और मुख्य सेना की ओर मदद मांगने के लिये बढ़े। शत्रुओं के चंगुल से बचकर निकलते हुए वह देख लिये गये और उन पर गोली भी चलाई गई परन्तु इसकी परवाह न करते हुए श्री सिंह अपने कार्य में लीन रहे और मुख्य सेना के साथ सम्पर्क स्थापित करने में सफल हुए।

कान्स्टेबल हुकम सिंह ने बड़ी कठिन और भयानक परिस्थिति में बड़े धैर्य, बहादुरी और कर्त्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 1 नवम्बर, 1965 से दिया जायगा।

व० जे० मोर, राष्ट्रपति के उप सचिव

उद्योग मंत्रालय

संकल्प

नई दिल्ली, दिनांक 20 दिसम्बर 1966

सं० एल० ई० आई०(ए०)-16(5)/64—भूतपूर्व उद्योग तथा सभरण मंत्रालय के संकल्प संख्या एल० ई० आई०-16(5)/64 दिनांक 17 सितम्बर 1965 में आंशिक रूपभेद करते हुए भारत सरकार विकित्सा यन्त्रों, साज-सामान और साधनों के विकास

के लिए सलाहकार समिति की रचना में निम्नलिखित परिवर्तन करने का निश्चय किया है :—

1. डा० पी० के० दुराइस्वामी निदेशक तथा प्रोफैसर, सेंट्रल इन्स्टीट्यूट आफ आर्थो-पीडिक्स, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली ।	अध्यक्ष
2. श्री वी० पी० एस० मेनन, औद्योगिक सलाहकार, तकनीकी विकास का महा-निदेशालय, सम्भरण, विकास तथा सामग्री आयोजन मंत्रालय, नई दिल्ली ।	सदस्य तथा वैकल्पिक अध्यक्ष कर्नल आर० डी० अय्यर के स्थान पर जिन्होंने त्याग-पत्र दे दिया है ।
3. ब्रिगेडियर एच० बी० लाल, औषध परामर्शदाता तथा मैडि-कल सुपरिन्टैंडेंट, विलिंगडन अस्पताल तथा नर्सिंग होम, नई दिल्ली ।	सदस्य
4. श्री वी० कृष्णामूर्ति, विकास अधिकारी (संस्थान) तकनीकी विकास का महा-निदेशालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली ।	सदस्य-सचिव कर्नल एम० शंखला के स्थान पर जिन्होंने अवकाश प्राप्त कर लिया है ।

आदेश

आदेश दिया गया कि संकल्प की एक-एक प्रति सभी सम्बन्धित व्यक्तियों को भेजी जाए तथा जनसाधारण की जानकारी के लिए इसे भारत का राजपत्र में प्रकाशित कराया जाए ।

डी० आर० सुन्दरम, संयुक्त सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 30 दिसम्बर 1966

सं० 2-15/64-सीमेट—भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग तथा संभरण मंत्रालय के संकल्प सं० 2-15/64-सीमेंट-1, दिनांक 23 मार्च 1965 के द्वारा गठित सीमेंट उद्योग संबंधी नामिका के सदस्य श्री जी० एस० स्याल, कार्यभारी निदेशक सीमेंट वितरण, स्ट्रेट ट्रेडिंग कारपोरेशन आफ इण्डिया लि०, के स्थान पर भारत सरकार एतद्वारा भारत के सीमेंट अनुसंधान संस्थान के तकनीकी सलाहकार एवं निदेशक श्री कार्ल एफ० क्लाज़न तथा श्री एच० सी० विश्वेश्वरैया को क्रमश: इसका सदस्य नियुक्त करती है तथा निर्देश देती है कि उक्त संकल्प में निम्नलिखित संशोधन किया जायेगा :—

उक्त संकल्प में :—

(1) 'सदस्य' शीर्षक के अन्तर्गत क्रम सं० 3 पर विद्यमान प्रविष्टि निकाल दी जायगी तथा विद्यमान क्रम सं० 4 से 13 की पुन: संख्या करके 3 से 12 कर दी जायगी;

(2) 'सदस्य' शीर्षक के अन्तर्गत अन्तिम प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित जोड़ा जायगा :—

"13. श्री कार्ल एफ० क्लाजन, तकनीकी सलाहकार, सीमेंट रिसर्च इन्स्टीट्यूट आफ इण्डिया, एम० 10, साउथ इक्सटेंशन II, रिंग रोड, नई दिल्ली-16, और

"14. श्री एच० सी० विश्वेश्वरैया, निदेशक, सीमेंट रिसर्च इन्स्टीट्यूट आफ इण्डिया, एम० 10, साउथ इक्सटेंशन II, रिंग रोड, नई दिल्ली-16।"

आर० नटराजन, अवर सचिव

खान तथा धातु मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1966

सं० 21/21/66-खान 1/खान 3—खान तथा धातु मंत्रालय की अधिसूचना सं० 21/21/66-एम० 1/एम० 3, दिनांक 26 नवम्बर 1966 में, जो कि भारत राजपत्र दिनांक 26 नवम्बर, 1966 भाग I खण्ड I में प्रकाशित हुई थी, निम्नलिखित संशोधन किये जायं :

(1) वर्तमान पैरा 6(क) के स्थान पर निम्नलिखित पढ़ा जाय :

"6(क) इस परीक्षा के अभ्यर्थी को 1 जनवरी 1967 को 35 साल से अधिक आयु का नहीं होना चाहिये अर्थात् वह 1 जनवरी 1932 से पहले पैदा नहीं हुआ होना चाहिये ।

नोट : 35 वर्ष की आयु की सीमा केवल 1967 में होने वाली परीक्षा पर ही लागू होगी । तत्पश्चात वही अभ्यर्थी परीक्षा में बैठ सकते हैं जिनकी आयु 21 वर्ष की हो गई हो और जिनकी आयु 26 वर्ष की नहीं हुई हो ।

(2) उप-पैरा (ख) में आने वाले शब्दों "उच्चतम आयु सीमा" के स्थान पर "आयु सीमा" पढ़ा जाए ।

(3) उप पैरा (ख) के बाद 'ध्यान दीजिये' को छोड़ दें ।

ए० सेतुमाधवन, अवर सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

CORRIGENDUM

New Delhi, the 11th January 1967

No. 4-Pres./67.—In this Secretariat Notification No. 134-Pres./65, dated the 16th October, 1965, published in Part I, Section 1 of the Gazette of India, dated Saturday, the 1st January, 1966.

In Serial No. 2 on page 23

For "4139233" *read* "4139235", and

for "Lance Havildar Umrao Singh"

read "Lance Havildar Umrao" wherever it occurs.

No. 5-Pres./67.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of

the Rajasthan Police :—

Name of the officer and rank

Shri Moti Singh,
Commandant,
III Battalion, Rajasthan Armed Constabulary,
Rajasthan.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

During the 1965 hostilities with Pakistan when the enemy intruded and strongly entrenched themselves in an area inside our territory, Shri Moti Singh took a leading part in clearing the area of the enemy. Throughout the battle, Shri Moti Singh moved from place to place encouraging and directing his men. Shri Moti Singh's Battalion was charged with the responsibility of guarding a vital sub-sector of the border. The distance and the type of the terrain created tremendous difficulties in guarding the area, when the enemy was trying to cross and capture our posts. Inspite of heavy odds against him, Shri Moti Singh succeeded in preventing the enemy's advance. Eventually by his able leadership Shri Moti Singh forced the numerically superior enemy to withdraw entirely from Indian territory in the sub-sector.

Shri Moti Singh displayed great courage, initiative and devotion to duty of a high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal.

No. 6-Pres./67.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Rajasthan Police :—

Name of the officer and rank

Shri Madho Singh,
Assistant Commandant,
VII Battalion, Rajasthan Armed Constabulary,
Rajasthan.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

During the 1965 hostilities with Pakistan Shri Madho Singh guided the operational movements by the Rajasthan Armed Constabulary in a sector of the border, frequently in the face of heavy bombing and straffing by the enemy. On the 9th and the 10th September, 1965 when the bombardment and straffing by enemy planes was intensified over the Gadra sector, Shri Madho Singh maintained the moral of his force by continuously supervising and organising the posts under his control. It was due to his efficient lay out of the defences that in spite of incessant bombing and straffing the enemy could not inflict a single casualty.

During this critical period, Shri Madho Singh showed outstanding leadership and courage and high devotion to duty.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal.

No. 7-Pres./67.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Rajasthan Police :—

Name of the officer and rank

Shri Dina Nath,
Platoon Commander,
1st Battalion, Rajasthan Armed Constabulary,
Rajasthan.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

During the 1965 hostilities with Pakistan, Shri Dina Nath was commanding a platoon, which was deployed on the right flank of a company facing an important route. When the position came under heavy firing and shelling by the enemy, Shri Dina Nath moved from one trench to another encouraging his men without regard for his own safety. When the platoon had to withdraw having run short of ammunition, Shri Dina Nath joined another platoon while heavy firing was going on and was injured by a splinter. When he found the enemy advancing towards his position, he took up a machine gun and opened heavy fire on the enemy. During this action he was hit by an enemy bullet in the stomach. Because of the heavy on slaught it was decided to withdraw to a better position. While withdrawing Shri Dina Nath was trapped in an ambush by the enemy but managed to escape and later he also successfully evaded enemy mounted troops who chased him. Thus severely wounded and bleeding profusely and without food and water, Shri Dina Nath continued his journey for two days and nights when he was picked up by a search party.

Shri Dina Nath exhibited exemplary leadership, tenacity and devotion to duty.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from 4-12-65.

No. 8-Pres./67.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Rajasthan Police :—

Name of the officer and rank

Shri Bhanwar Singh,
Police Constable No. 141,
4th Battalion, Rajasthan Armed Constabulary,
Rajasthan.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

During the 1965 hostilities Constable Bhanwar Singh was detailed to act as guide with army units and patrols on the Rajasthan-Sind Border, and proved extremely useful and courageous whenever he accompanied the security forces. When his troop was surrounded by the enemy, Shri Bhanwar Singh displayed great courage and initiative and moved from place to place under heavy enemy fire attending on the wounded and carrying ammunition and water to the men. When the troop ran short of ammunition, Shri Bhanwar Singh volunteered to make his way out of the seige and contact the main column for help. He succeeded in completing this task and rendered great help in extricating the beseiged troops.

Shri Bhanwar Singh displayed great courage, conspicuous gallantry and high sense of duty in a very difficult and dangerous situation.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 31st October, 1965.

No. 9-Pres./67.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Rajasthan Police :—

Name of the officer and rank

Shri Hukam Singh,
Police Constable No. 353,
4th Battalion, Rajasthan Armed Constabulary,
Rajasthan.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

During the 1965 hostilities Constable Hukam Singh was detailed to act as guide with an army battalion on the Rajasthan-Sind Border. Shri Hukam Singh guided the battalion skilfully and accompanied many special patrols through enemy occupied territory. Shri Singh also accompanied a special patrol which ultimately captured an important post. During this operation, Shri Hukam Singh guided the troops to a place of advantage from where it engaged the enemy and sealed the track to another important post. Shri Hukam Singh was seen moving from place to place under heavy enemy fire, supplying ammunition and water to the troops.

Subsequently, during the mopping up operations, he accompanied a camel troop on an outflanking movement. When this troop was surrounded, Shri Hukam Singh volunteered to make his way alone out of the seige and to contact the main force for help. Moving cleverly in the folds of the ground and evading the enemy, with great courage he made his way back even when he was spotted and was fired upon. Undeterred by the enemy fire Shri Hukam Singh pursued his task and succeeded in contacting the main force.

Constable Hukam Singh displayed great courage, gallantry and high sense of duty in a very difficult and dangerous situation.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 4th November, 1965.

V. J. MOORE, Dy. Secy. to the President

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 6th January 1967.

No 17/11/66-*Poll. I* (A). The following statement showing the number of persons in detention under the Preventive Detention Act, 1950 (4 of 1950) in various States as on the 30th June, 1966, is published for general information.

Name of the State	Number of persons in detention under the Preventive Detention Act, 1950, on the 30th June, 1966					
	Detained under section 3(1)(a)			Total of colums 2—4	Detained under Section 3(1)(b)	Grand Total
	Clause (i)	Clause (ii)	Clause (iii)			
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1. ANDHRA PRADESH	—	—	—	—	—	—
2. ASSAM	—	—	—	—	—	—
3. BIHAR	—	—	—	—	—	—
4. GUJARAT	—	1	—	1	—	1
5. KERALA	—	—	—	—	—	—
6. MADHYA PRADESH	—	2	—	2	—	2
7. MADRAS	—	—	—	—	—	—
8. MAHARASHTRA	—	—	—	—	—	—
9. MYSORE	—	—	—	—	—	—
10. ORISSA	—	—	—	—	—	—
11. PUNJAB	—	—	—	—	—	—
12. RAJASTHAN	—	1	—	1	—	1
13. UTTAR PRADESH	—	—	—	—	—	—
14. WEST BENGAL	—	78	3	81	—	81
15. DELHI	—	—	—	—	—	—
16. HIMACHAL PRADESH	—	—	—	—	—	—
17. MANIPUR	—	—	—	—	—	—
18. TRIPURA	—	—	—	—	—	—
19. NAGALAND	—	—	—	—	—	—
20. N.E.F.A.	—	—	—	—	—	—
TOTAL	—	82	3	85	—	85

G. K. ARORA, Deputy Secy.

New Delhi-11, the 10th January 1967

No. 5/12/66-P.V.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of the Inspector General of Police on Special Duty in the Ministry of Home Affairs, namely :—

Short title and commencement

1. (1) These rules may be called the Inspector General of Police on Special Duty (Ministry of Home Affairs) Recruitment Rules, 1966.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

Application

2. These rules shall apply to the post specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.

Classification and scale of pay

3. The number of post, its classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule

Method of recruitment etc.

4. The method of recruitment to the post, age limit, qualifications and other matters relating to the said post, shall be as specified in columns 5 to 11 of the Schedule aforesaid.

Disqualification

5. (a) No person who has more than one wife living or who having a spouse living marries in any case in which such marriage is void by reason of its taking place during the life-time of such spouse shall be eligible for appointment to the post, and

(b) no female candidate whose marriage is void by reason of the husband having a wife living at the time of such marriage or who has married a person who has a wife living at the time of such marriage, shall be eligible for appointment to the post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that there are special grounds for so ordering, exempt any person from the operation of this rule.

THE SCHEDULE

Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection Post or non-Selection post	Age-limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Inspector General of Police on Special Duty.	1	Class I	Rs. 2,500—125/2—2,750 (for I.P.S. Officers); Rs. 2,500—125—3,000 (for I. P. Officers).	Not applicable	Not applicable.	Not applicable.

Whether age and educational qualifications prescribed for the direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation if any	Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making rectt.
8	9	10	11	12	13
Not applicable	Not applicable	Transfer on deputation.	*Transfer on deputation.* Suitable officer belonging to the IP/IPS from the grade of I.G.P. or an Officer approved for appointment to the grade of I.G.P. (Period of deputation—ordinarily not exceeding 5 years).	Not applicable.	As required under the rules.

G. L. BAILUR, Under Secy.

MINISTRY OF INDUSTRY

New Delhi, the 30th December 1966

No. 2-15/64-Cement.—The Government of India hereby appoints Shri Carl F. Clausen, and Shri H. C. Visvesvaraya, Technical Adviser and Director, respectively, of the Cement Research Institute of India as members of the Panel on Cement Industry constituted by the Resolution of the Government of India in the erstwhile Ministry of Industry & Supply, No. 2-15/64-Cem.I dated the 23rd March, 1965, *vice* Shri G. S. Sial, Director-Incharge of Cement Distribution, State Trading Corporation of India Ltd., and directs that the following amendments shall be made in the said Resolution :—

In the said Resolution,

(i) the existing entry at Serial No. 3 under the heading 'Members" shall be deleted and the existing serial No.'s 4 to 13 shall be renumbered as 3 to 12;

(ii) the following shall be added after the last entry under the heading "Members" :—

"13. Shri Carl F. Clausen, Technical Adviser, Cement Research Institute of India, M. 10, South Extension II, Ring Road, New Delhi-16; and

"14 Shri H. C. Visvesvaraya, Director, Cement Research Institute of India, M. 10, South Extension II, Ring Road, New Delhi-16."

R. NATARAJAN, Under Secy.

RESOLUTION

New Delhi, the 5th January 1967

No. LEI(A)-16(5)/64.—In continuation of this Ministry's Resolution No. LEI(A)-16(5)/64 dated the 20th December, 1966, Government of India have decided to include the following person as a Member of the Advisory Committee for the Development of Medical Instruments, Equipment and Appliances :—

Dr. H. T. VIRA REDDI, F.R.C.S.,
No. 439, Poona Mallee High Road,
Madras-10.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned and that it be published in the Gazette of India for general information.

D. R. SUNDARAM, Jt. Secy.

MINISTRY OF MINES AND METALS

New Delhi, the 21st January 1967

No. 21/21/66-MI/MIII.—In the Ministry of Mines and Metals Notification No. 21/21/66-MI/MIII dated 26th November, 1966, published in Part I, Section 1, of the

Gazette of India dated 26th November, 1966, the following modifications shall be made :—

(i) The following shall be substituted for the existing para 6(a) :—

"6(a) A candidate for this examination must not have exceeded the age of 35 years on 1st January 1967, *i.e.* he must have been born not earlier than 1st January, 1932.

NOTE The age limit of 35 years will apply for the examination to be held in 1967 only. Thereafter, candidates who have attained the age of 21 years and have not attained the age of 26 years shall be eligible for admission to the examination".

(ii) Sub-para (b) of para 6 shall be deleted and subsequent sub-para (c) renumbered as sub-para (b).

(iii) The words "upper age-limits" shall be substituted by the words "age limit" in sub-para (b) as renumbered.

(iv) 'N B.' towards the end of sub-para (b) as renumbered will be deleted.

A SETHUMADHAVAN, Under Secy.

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING
(Department Family Planning)

RESOLUTION

New Delhi, the 5th January 1967

No 16-1/66-*C&C*(*F.P.*).—The Government of India is pleased to constitute an Evaluation Committee to review the progress of work of various Family Planning Communication & Action Research projects.

2 The Committee will consist of the following —

Chairman

1 Dr. M S Gore,
Director, Tata School of Social Work,
Chembur, Bombay

Members

2 Dr S N Ranada
Principal,
Delhi School of Social Work
University of Delhi,
Delhi

3 Shri M. V. S Rao,
Joint Director,
Programme Evaluation Organisation,
Planning Commission
New Delhi.

4 Prof. D B. Lahiri,
Indian Statistical Institute,
203, Barrackpore, Trunk Road
Calcutta-35

5 Dr (Mrs) S K Sandhu
Medical Officer,
Central Family Planning Institute
I 17 Green Park
New Delhi

Member-Secretary

6 Dr. V. Ramakrishna,
Director, Central Health Education Bureau,
Directorate General of Health Services,
New Delhi

3 The members of the Committee may cooperate additional members whenever necessary

4 The Committee will review the progress of work of various Family Planning Communication & Action Research Projects being undertaken in the country with financial assistance from the Government of India and make recommendations for improvement in their working and setting up new projects. The Committee may report on the important research findings. The Committee should submit its report latest by the 30th June, 1967.

5 Non-official members of the Committee shall be entitled to the grant of travelling and daily allowance for visiting the centres and for attending the meetings of the Committee as are admissible to an officer of the highest grade in Class I of Central Services Members of the Committee who are Government servants will draw travelling and daily allowance as admissible to them from the source from which their salary is drawn

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all State Governments, Union Territories. all Ministries of the Government of India and Planning Commission.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K N SRIVASTAVA, Jt Secy

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION
(Department of Food)

New Delhi-1, *the* 31*st December* 1966

No. 26(5)/66-*Tech I*—As per resolution No. 26(5)/66-Tech I dated the 12th July 1966, a Committee was set up under the Chairmanship of Shri K. T. Chandy to prepare a survey report for the establishment of a research-*cum*-training Centre in Rice Technology in the country. This Committee was required to submit its report within 4 months. It has now been decided to grant an extension of two months to the Committee for submitting its report to the Government

ORDER

ORDERED that the notification may be published in the Gazette of India for general information.

T R PARAMESWARAN, Under Secy

(Department of Co-operation)

New Delhi, the 6th January 1967

No 1-5/66-*G*(*suppl. List* 6) —In continuation of this Department Notification No. 1-5/66-G (Suppl. List 5) dated the 22nd December 1966 the following Wholesale Cooperative Stores are added to the Schedule of Cooperative Societies published along with the Notification No. 1-25/65-CC dated 27-5-66 regarding the Guarantee Scheme for Consumer Cooperatives.

1 The Vidisha Consumer Cooperative Wholesale Store Ltd, Vidisha (Madhya Pradesh).

Bundi Wholesale Upbhokta Sahakari Bhandar Ltd, Bundi (Rajasthan)

3 Chittorgarh Sahkari Upbhokta Thok Bhandar Ltd, Chittorgarh (Rajasthan)

4 Sawai Madhopur Zila Sahkari Upbhokta Thok Bhandar Ltd, Sawai Madhopur (Rajasthan).

CORRIGENDUM

No. 1-5/66-*G.*—*Read* "Jodhpur Sahkari Upbhokta Wholesale Bhandar Ltd, Jodhpur (Rajasthan)" *for* "Jodhpur Zilla Kendriya Sahkari Upbhokta Wholesale Bhandar Ltd., Near Anand Cinema, Jodhpur (Rajasthan)" in the Schedule of Cooperative Societies published along with the Notification No. 1-25/65-CC dated 27-5-66 appearing on page 440 of the Gazette of India, Part I Section 1 dated June 11, 1966 (JAYAISTHA 21, 1888)

V. V NATHEN, Dy. Secy.

PRINTED IN INDIA BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD AND PUBLISHED BY THE MANAGER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1967